

रज़िर्व तथा पश्चिम में जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान को स्पर्श करती है। महत्त्वपूर्ण कॉरडोर लकि नमिनलखिति हैं:

- **बुक्सा-टीटी (टोरसा के माध्यम से):** यह बुक्सा टाइगर रज़िर्व के रंगमती रज़िर्व वन क्षेत्र को टटी रज़िर्व फॉरेस्ट से जोड़ता है।
- **बुक्सा-टटी (बीच और भरनाबाड़ी टी एस्टेट के माध्यम से):** यह भरनाबाड़ी टी एस्टेट और 'बीच टी एस्टेट' से गुजरते हुए 'दलसगिपारा टी एस्टेट' के दक्षिण में स्थिति बुक्सा-टाइगर रज़िर्व के भरनाबाड़ी रज़िर्व फॉरेस्ट और टटी रज़िर्व फॉरेस्ट को जोड़ता है।
- **नमिती-चलिपटा (बुक्सा-चलिपटा):** यह बुक्सा टाइगर रज़िर्व की नमिती रेंज और चलिपटा रज़िर्व फॉरेस्ट के बीच हाथियों की आवाजाही को सुगम बनाता है, जिससे बुक्सा टाइगर रज़िर्व और जलदापारा वन्यजीव अभयारण्य (पश्चिम बंगाल) के बीच हाथियों की आवाजाही सुलभ हो सके।
- **संकोश (संकोश) में बुक्सा-रपि:** यह गलियारा एक सन्नहिती जंगल है जो पश्चिम बंगाल के बुक्सा टाइगर रज़िर्व को कोचुगाँव वन प्रभाग, असम के रपि रज़िर्व फॉरेस्ट से जोड़ता है।
- उल्लखिति गलियारे उत्तर-पूर्व और ब्रह्मपुत्र घाटी बाघ परदृश्य का हसिसा हैं, जो वभिनिन संरक्षति क्षेत्रों जैसे बुक्सा **मानस टाइगर रज़िर्व** (असम), भूटान में फप्सू वन्यजीव अभयारण्य और जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की उपस्थिति से संबधति महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

• वनस्पति:

- मोटे तौर पर रज़िर्व के वनों को 'आर्द्र उष्णकटबिधीय वन' के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

• जंतु वर्ग:

- रज़िर्व में पाई जाने वाली कुछ महत्त्वपूर्ण प्रजातियाँ हैं- इंडियन टाइगर (पैंथेरा टाइगरसि टाइगरसि), लेपर्ड (पैंथेरा पार्डस), क्लाउडेड लेपर्ड (नथिफेलसि नेबुलोसा), हॉग बेजर (आर्कटोनकिस कोलारसि), जंगल कैट (फेलसि चौस) आदी।

• पश्चिम बंगाल में अन्य संरक्षति क्षेत्र:

- गोरुमारा राष्ट्रीय उद्यान
- **सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान**
- नेओरा वैली राष्ट्रीय उद्यान
- सगिलीला राष्ट्रीय उद्यान
- जलदापारा राष्ट्रीय उद्यान

बाघ

• बाघ संरक्षण की स्थिति:

- **भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुसूची- I
- **अंतरराष्ट्रीय परकृत संरक्षण संघ (IUCN) रेड लिस्ट:** लुप्तप्राय
- **वन्यजीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES):** परशिषिट- I

• भारत की बाघ संरक्षण स्थिति:

- भारत वैश्विक स्तर पर बाघों की 70% से अधिक आबादी का घर है।
- भारत के 18 राज्यों में कुल 51 बाघ अभयारण्य हैं और **वर्ष 2018 की अंतिम बाघ गणना** में इनकी आबादी में वृद्धि देखी गई।
- भारत ने बाघ संरक्षण पर **सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा** (St. Petersburg Declaration) से चार वर्ष पहले बाघों की आबादी को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल किया।
- भारत की बाघ संरक्षण रणनीति में स्थानीय समुदायों को भी शामिल किया गया है।

• भारत में बाघ संरक्षण परियोजनाएँ:

- **प्रोजेक्ट टाइगर 1973:** यह वर्ष 1973 में शुरू की गई पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) की **एककेंद्र परायोजति योजना** है। यह देश के राष्ट्रीय उद्यानों में बाघों को आश्रय प्रदान करती है।
 - हाल ही में **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA)** ने गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पगिला वन्यजीव

- अभयारण्य के संयुक्त कक्षेत्रों को भारत में [53वें टाइगर रजिस्व](#) के रूप में नामति कयिा है ।
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधकिरण (NTCA): यह पर्यावरण और वन मंत्रालय के तहत एक वैधानकि नकिाय है, जो 2006 में संशोधति वन्यजीव (संरक्षण) अधनियिम, 1972 के प्रावधानों के तहत गठति है ।

स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/buxa-tiger-reserve-west-bengal>

